Nai Duniya (Indore City), 27th May 2026, Page- 01

संस्कृति-परंपरा को समझने के लिए आया झारखंड से दल

नईदुनिया प्रतिनिधि, इंदौर: भारतीय प्रौद्योगिकी संस्थान (आइआइटी) इंदौर में एक भारत श्रेष्ठ भारत' योजना के अंतर्गत युवा संगम चरण आयोजित किया गया, जहां झारखंड के युवा प्रतिनिधियों का दल आया। इसका उद्देश्य देश के अलग-अलग राज्यों के युवाओं के बीच सांस्कृतिक आदान-प्रदान, आपसी समझ और राष्ट्रीय एकता को मजबूत करना है। इस चरण में मध्य प्रदेश और झारखंड को साझेदार राज्य बनाया गया है। झारखंड आइआइटी (आइएसएम) धनबाद नोडल संस्थान की भूमिका निभा रहा है।

युवा संगम कार्यक्रम युवाओं को दूसरे राज्यों की संस्कृति, भाषा, परंपरा, खानपान और विकास कार्यों को करीब से जानने का अवसर देता है। यह कार्यक्रम पांच पी की अवधारणा पर आधारित है, जिसमें पर्यटन, परंपरा, प्रगति, प्रौद्योगिकी और परस्पर संपर्क शामिल है। झारखंड से आए प्रतिनिधिमंडल में 24 पुरुष और 13 महिला युवा हैं।

छह समन्वयक भी हैं। अधिकांश प्रतिभागी विभिन्न शिक्षण संस्थानों के स्नातक विद्यार्थी हैं। 27 मई से दो जून के बीच विभिन्न कार्यक्रम आयोजित किए जाएंगे। इस दौरान दल सांस्कृतिक, ऐतिहासिक और

आइआइटी इंदौर में एक भारत श्रेष्ठ भारत योजना के तहत युवा संगम का चौथा चरण रखा

औद्योगिक स्थलों का भ्रमण करेगा। इनमें महेश्वर, राजवाड़ा पैलेस, लाल बाग पैलेस, 56 दुकान, इंदौर नगर निगम का रिसाइकल सेंटर और इंद्र भवन शामिल हैं।

दल उज्जैन जाकर महाकालेश्वर मंदिर, जंतर-मंतर और सांदीपनि आश्रम भी देखेगा। कार्यक्रम में ग्रामीण जीवन अनुभव यात्रा, शास्त्रीय भाषा कार्यशाला, आइआइएम इंदौर तथा आइआइटी इंदौर का शैक्षणिक भ्रमण भी शामिल है।

दल राज्यपाल मंगुभाई पटेल और मुख्यमंत्री डा. मोहन यादव से भी मुलाकात करेगा।